

## HINDI · CHAPTER 1

# कबीर — हम तौ एक एक करि जांनां · संतों देखत जग बौराना (आरोह भाग-1)

A 1-page guide for parents · 90-second read.

### EXPECTED MARKS

अच्छी तैयारी वाले छात्र को इस पाठ से लगभग 6-7 अंक (कुल 7 में से) मिलने चाहिए। 4 से कम चेतावनी का संकेत है — सामान्यतः इसका अर्थ है कि बच्चा पंक्तियाँ तो जानता है, पर अद्वैत-भाव एवं निष्पक्ष आडंबर-खंडन नहीं समझ पाया।

### TIME TO MASTER

रुचिशील hrs

### HELPLINE

70330 05444

### WHAT THIS CHAPTER IS, IN PLAIN ENGLISH

यह आपके बच्चे की कक्षा 11 हिंदी (आरोह भाग-1) के काव्य खंड का पहला पाठ है, जिसमें भक्तिकाल के महान संत-कवि कबीर की दो रचनाएँ हैं — एक 'पद' (हम तौ एक एक करि जांनां) तथा एक 'सबद' (संतों देखत जग बौराना)। पहली रचना में कबीर समझाते हैं कि ईश्वर एक ही है — जैसे एक सोने से कई गहने बनते हैं, एक जल में कई लहरें उठती हैं, वैसे ही सारी दुनिया में एक ही ईश्वर है; इसलिए हिन्दू-मुसलमान का झगड़ा बेकार है। दूसरी रचना में कबीर कहते हैं कि संसार 'पागल' हो गया है क्योंकि लोग सच्ची भक्ति छोड़कर बाहरी दिखावे — पत्थर पूजना, तीर्थ-स्नान, माला-टीका-टोपी, राम-रहीम के नाम पर लड़ाई — में फँस गए हैं। कबीर की भाषा 'सधुक्कड़ी' (कई बोलियों की मिली-जुली भाषा) है। यह काव्य खंड का पहला पाठ होने के कारण परीक्षा में अंक-महत्वपूर्ण है — सामान्यतः 5 से 7 अंक।

### 5 QUESTIONS TO ASK YOUR CHILD

- कबीर ने ईश्वर की एकता समझाने के लिए कौन-कौन से उदाहरण (दृष्टांत) दिए? कम-से-कम दो बताओ।
- कबीर ने संसार को 'बौरा' (पागल) क्यों कहा? वे किन-किन आडंबरों के विरोधी थे?
- निर्गुण और सगुण भक्ति में क्या अंतर है? कबीर किस धारा के कवि हैं?
- कबीर की भाषा को 'सधुक्कड़ी' क्यों कहा जाता है?
- कबीर ने हिन्दू-मुसलमान की एकता का क्या संदेश दिया है?

### WEAK-SPOT INDICATORS

- यदि बच्चा कबीर को सगुण/मूर्ति-पूजक कवि बताए — तो वह पाठ की मूल धारा (निर्गुण) से चूक रहा है।
- यदि बच्चा एक भी अद्वैत-दृष्टांत (सोना-गहना/जल-तरंग) न समझ पाए — काव्य-सौंदर्य के प्रश्न में चूकेगा।
- यदि बच्चा केवल हिन्दू-आडंबर गिनाए, मुस्लिम-आडंबर (टोपी/रोजा) भूल जाए — कबीर की निष्पक्षता अधूरी रह जाती है।
- यदि बच्चा कवि (कबीर) एवं संकलन (बीजक) न जानता हो — कवि-परिचय का अंक खोएगा।

### WHEN TO WORRY — AND WHAT TO DO

यदि आपका बच्चा किसी एक रचना का भावार्थ अपने शब्दों में न बता सके अथवा 'जग बौराना' एवं आडंबर-खंडन को एक पैराग्राफ में न लिख सके तो वह 4-5 अंक खो सकता है। समाधान पंक्ति रटना नहीं, बल्कि अद्वैत-दृष्टांत, आडंबर-खंडन एवं समन्वय-संदेश पर 15-20 मिनट की बातचीत है।

**+91 70330 05444** · readyforboards.com · Boards prep that builds confidence, not anxiety.